# RAWATSAR P.G. COLLEGE

*'Sanskriti Ka Badlta Swaroop Aur AI Ki Bhumika' (SBSAIB-2025)*

DATE: 25 January 2025

International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)

Multidisciplinary, Multilingual, Indexed, Double-Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal, Impact factor (SJIF) = 8.152


## AI के सामाजिक परिणाम वह चुनौतियाँ


मनीष कुमार, एम.ए. हिंदी, नेट केटेगरी. 03, महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर

Gmail: - manishsihag2000@gmail.com


### परिचय

आज विश्व आधुनिकता की चादर में अपने पाँव लगातार प्रसार हो रहा है।इस आधुनिकता में समाज का विकास दिन दुगुना रात चौगुना हो रहा है।विश्व के विभिन्न देश प्रतिस्पर्धात्मक रूप से आगे बढ़ रहे हैं तथा साथ ही साथ दिन प्रतिदिन नए अविष्कार व नवाचार कर रहे हैं,जो अत्यंत सराहनीय है।

यह हमारे समाज तथा मानव मस्तिष्क की एक खास बात है कि यह सदैव चिंतन करता है तथा हर पल इस संसार के रहस्यों को सुलझाने तथा कुछ नवाचार करने की प्रेरणा से अभिभूत होता रहता है।इन्हीं खोजों में सर्वप्रचलित तथा सबसे महत्वपूर्ण खोज है, इंटरनेट तथा उससे चलने वाले महत्वपूर्ण यंत्रों की खोज। आज संसार इंटरनेट की दुनिया में बहुत आगे बढ़ गया है तथा वर्तमान में AI(आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के स्वरूप में जो चीजें सामने आई है,वास्तव में वह हैरतअंगेज कर देने वाली है, AI ने वर्तमान सामाजिक परिदृश्य को ही बदल दिया है।इससे कुछ नकारात्मक पहलू भी जुड़े हुए हैं।जिसके बारे में हम आगे विस्तार से चर्चा करेंगे।

AI का ऐतिहासिक स्वरूपः—मानव के विकास का पहलू बहुत जटिल है, मानव के जन्म तथा विकास के संबंध में अलग—अलग अवधारणाएं है किंतु विकास के संबंध में सर्वमान्य अवधारणा है कि हमारा विकास जानवर अथवा बंदर की प्रजाति का ही एक विकसित रूप है। मनुष्य सभी जानवरों में विवेकशील प्राणी माना जाता है।

आज अगर हम अपने अतीत के स्वरूप को देखें तो यह है विकास के क्रम में एक प्रभावशाली बदलाव है जो बहुत लंबे समय से चला आ रहा था और विकास का यह क्रम अनवरत चलता रहेगा तथा मानव में विकसित होने की यह ललक शायद ही कहीं समाप्त हो।आज ज्ञान—विज्ञान का प्रचार प्रसार इतने व्यापक रूप में हो गया है की उसी के परिणाम स्वरूप आज हम दुनिया के किसी एक छोर से दूसरे छोर पर बैठे व्यक्ति से संपर्क साधने में कामयाब हो सके हैं।इसी के साथ तकनीक के विकसित रूप में AI एक अचंभित करने वाले आविष्कार के रूप में रखा जा सकता है।इससे किसी भी विषय पर क्षण भर में जानकारी प्राप्त की जा सकती है तथा इसके साथ—साथ इसका उपयोग आज शिक्षा के क्षेत्र से लेकर व्यापारी वर्ग तक बहुत व्यापक रूप में हो रहा है,किंतु जैसा कहा भी जाता है कि—

"जब कोई वरदान प्राप्त होता है,तो वह अपने साथ दुष्परिणाम भी लेकर आता है"

इसी पंक्ति को सत्यार्थ करते हुए AI के अनेक दुष्परिणाम भी देखे गए हैं,जिनकी चर्चा भी हम भली—भाँति करेंगे।

AI के उपयोगः— AI का उपयोग आज लगभग प्रत्येक क्षेत्र में व्यापक रूप से किया जा रहा है।यह इसकी विलक्षण गणना करने,क्षण भर में जानकारी जुटाने तथा अन्य कई गुणों को देखते हुए किया जा रहा है।

(क) शिक्षा के क्षेत्र मेंः— शिक्षा किसी व्यक्ति के जीवन के समग्र विकास हेतु महत्वपूर्ण कड़ी मानी जाती है तथा जैसा कहा भी गया है—

"मनुष्य जो शिक्षाहीन है,जड़ मात्र से ज्यादा कुछ नहीं है"

शिक्षा सभी के लिए उतनी ही महत्वपूर्ण है,जितना कपड़ा,मकान व रोटी आवश्यक है।शिक्षा प्रदान करना तथा शिक्षा ग्रहण करना दोनों एक जटिल प्रक्रिया है तथा किसी तपस्या से काम नहीं है।

प्राचीन समय में शिक्षा ग्रहण करने हेतु घर से दूर गुरुकुलों में जाना पड़ता था।धीरे—धीरे शिक्षा के बदलते स्वरूप के साथ विद्यालयों की स्थापना हुई जो विद्याध्ययन का आसन तथा विकसित रूप था।

तदूपरांत अगर आज के दौर के विषय में चर्चा करें तो कोरोना महामारी जो सन 2019 के अंतिम दौर में हमारे सामने आई,इस महामारी से संसार को जान—माल की भारी क्षति पहुंची तथा सभी कारोबार और अन्य क्षेत्र है अपरहार्य कारणों से बंद करने पड़े,जिससे शिक्षा जगत भी अछूता न रहा।

तब इंटरनेट के माध्यम से पढ़ाई करना बहुत प्रचलित माध्यम बन गया तथा लोग विद्यालयों में न जाकर घर पर बैठकर ही पढ़ने लगे इसके पश्चात AI का विकास हुआ,जिससे लोग और अधिक गुणवत्तापूर्ण

International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
Multidisciplinary, Multilingual, Indexed, Double-Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal, Impact factor (SJIF) = 8.152

शिक्षा ग्रहण करने लगे तथा बोलकर या लिखकर AI के माध्यम से जानकारी जुटाने लगे,जो शिक्षा के क्रम में महत्वपूर्ण नवाचार माना जा सकता है।

(ख)व्यापार वर्ग मेंः–आधुनिक जगत में किसी देश की आय का महत्वपूर्ण स्त्रोत है,व्यापार।जो देश के भीतर तथा बाहर अन्य देशों से किया जाता है।अगर पहले के समय के संबंध में बात की जाए तो यह बहुत परिश्रम भरा कार्य था, क्योंकि संसाधनों तथा मशीनरीयों के अभाव में अत्यधिक श्रम की आवश्यकता पड़ती थी किंतु धीरे–धीरे विज्ञान की छांव में अनेक नवाचार हुए तथा विभिन्न मशीनरीयों का विकास हुआ जो कार्य को सरल बना देती थी तथा कम परिश्रम से अधिक कार्य किया जा सकता था।

आज के आधुनिक दौर में भारत का व्यापार वर्ग भारत की कुल आय का 27.6 प्रतिशत योगदान देता है,जो बहुत बड़ा योगदान है तथा आजकल मशीनरीयाँ विकसित हो गई है,साथ ही साथ AI के आने के बाद इस क्षेत्र को महत्वपूर्ण ऊंचाइयाँ मिली है।

यह क्षेत्र भी आने वाले समय में खूब फलेगा फूलेगा तथा AI की सहायता से भारी भरकम कार्य भी क्षण भर में संभव हो जाते हैं जिससे इस वर्ग में काफी गति आई है।

(ग)चिकित्सा के क्षेत्र मेंः– एक और जहाँ तकनीक का दुरुपयोग होता है, वहीं दूसरी ओर चिकित्सा के क्षेत्र में इसका महत्वपूर्ण योगदान देखा जा सकता है। AI की सहायता से चिकित्सा के क्षेत्र में अनेक नवाचार हुए हैं, असाध्य प्रतीत होने वाली शल्य चिकित्सा भी आज AI के माध्यम से आसानी से की जा रही है यथा–अंग प्रत्यारोपण,हाथ–पैर का प्रत्यारोपण, आदि अचंभीत करने वाले कार्य चिकित्सा क्षेत्र में आज तकनीक से संभव हो पा रहे हैं। इससे मानव जीवन तथा समाज को एक नया आयाम मिला है तथा विभिन्न लोगों के जीवन को बचाया जा सका है।

(घ) कृषि क्षेत्र मेंः– अन्य वर्गों सहित कृषि क्षेत्र में भी AI ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है AI की मदद से न केवल किसानों को खाद बीज की उचित मात्रा तथा सही उपयोग का ज्ञान होता है अपितु फसलों के भंडारण तथा उचित रखरखाव हेतु भी AI की मदद से जानकारी मिलती है। जिससे किसानों के लिए खेती करना ओर आसान हो गया है, साथ ही साथ AI की मदद से खाद डालने से लेकर फसल कटाई तक के विभिन्न रोबोटिक ड्रोन विकसित किए गए हैं, जो कम समय में अधिक दक्षता से काम करते हैं। इस प्रकार कृषि क्षेत्र में भी AI एक महत्वपूर्ण सहायक साबित हुआ है।

इसके अलावा भी विभिन्न क्षेत्रों में कार्य बहुत सरल हो गए हैं। अतः आज के आधुनिक युग में AI किसी चमत्कार से कम नहीं है।

AI के दुष्प्रभावः– जब कोई चीज उपयोग में लाई जाती है, तो उसके सकारात्मक प्रभावों के साथ–साथ नकारात्मक प्रभाव भी देखने को मिलते हैं जिनमें से विभिन्न दुष्प्रभाव निम्नलिखित हैं–

(क)आय की चोरीः– जिस प्रकार से आज के आधुनिक दौर में लोग विभिन्न उपकरणों पर आश्रित तथा सीमित होकर रह गए हैं इससे AI का उपयोग भी अछूता नहीं है।

लोग वर्तमान में AI का उपयोग करते समय इसे हर प्रकार की इजाजत देते हैं, जिससे AI के दुरुपयोग से उनकी व्यक्तिगत जानकारी साझा हो जाती है तथा जैसा कि विदित है, आज के दौर में लोग इंटरनेट के माध्यम से लेनदेन को प्राथमिकता देने लगे हैं तथा अपने बैंक खाते को अपने मोबाइल फोन से जोड़कर रखते हैं। तब AI का जब दुरुपयोग किया जाता है तो उनकी व्यक्तिगत जानकारी तथा फोन पर प्राप्त हो रहे संदेशों को माध्यम बनाया जाता है और बड़ी ही सहजता से किसी व्यक्ति की संपत्ति चोरी कर ली जाती है जो की निंदनीय है।

(ख)व्यक्तिगत जानकारी तथा निजी जानकारी का दुरुपयोगः– जिस प्रकार से AI आज के आधुनिक युग में लोगों की मुश्किलें आसान कर रहा है, दूसरी ही तरफ यह लोगों की व्यक्तिगत जानकारी तक अपनी पहुँच सुनिश्चित करता है जिसे अपराधी प्रवृत्ति के लोग जो AI के उपयोग की समग्र जानकारी रखते हैं, उसे निजी जानकारी यथा विभिन्न–तस्वीर,वीडियो तथा अन्य जरूरी जानकारी जो स्वयं तक सीमित रहनी

International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
Multidisciplinary, Multilingual, Indexed, Double-Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal, Impact factor (SJIF) = 8.152

चाहिए ,का उपयोग कर ब्लैकमेल करना आदि व्यसन करते हैं। जिससे सामाजिक परिवेश पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है तथा इसके कारण पीड़ित आत्महत्या जैसे संगीन कृत्य पर मजबूर हो जाता है जो अपराध की श्रेणी में आता है।

इस प्रकार AI के जितने सकारात्मक पहलू हैं, उतने ही नकारात्मक पहलू भी है यह पूर्णतया उपयोग पर निर्भर करता है कि इसे किस प्रकार से तथा किस क्षेत्र में उपयोग लिया जाए।

(ग)बेरोजगारीः– जिस प्रकार से AI की खोज से प्रत्येक वर्ग सकारात्मक तथा नकारात्मक रूप से प्रभावित हुआ है, इसी क्रम में यह बेरोजगार युवाओं के लिए भी चिंता का विषय बनता जा रहा है क्योंकि यह प्रत्येक वर्ग के कार्य करने में सक्षम है तथा खर्च कम करने के उद्देश्य से विभिन्न वर्गों में AI की सहायता से लोगों को विस्थापित किया जा रहा है। जिससे व्यापार वर्ग में आधुनिक तकनीक यथा AI तथा इससे स्वचालित उपकरणों पर निर्भरता लगातार बढ़ रही है तथा लोग बेरोजगार हो रहे हैं। यह एक गंभीर तथा चिंतनीय विषय है।

(घ)सामाजिक समरसता का अंतः– हमारा समाज एक इकाई है जो लोगों से मिलकर बना है तथा लोग यहाँ मिलजुल कर रहते हैं। प्राचीन समय में जब तकनीक तथा विज्ञान इतना विकसित नहीं था, तब लोग आपसी सद्भावना से रहते थे तथा लोगों के पास आपसी जुड़ाव के लिए समय होता था। किंतु आज के परिवेश में "समाज" नाम मात्र का रह गया है। जिसके पीछे मुख्य कारण है, आधुनिक तकनीक पर निर्भरता तथा इंटरनेट आदि पर अपना समय व्यतीत करना। जो कहीं न कहीं आपसी जुड़ाव को कम करता है इस प्रकार से एक सभ्य समाज में AI तथा इंटरनेट का आना कहीं न कहीं सामाजिक एकता पर एक आघात की तरह देखा जा सकता है।

(घ)स्वास्थ्य क्षेत्र मेंः– वर्तमान परिवेश में लोग इंटरनेट की दुनिया में जी रहे हैं जिससे यह प्रतीत होता है कि उन लोगों के पास एक दिन में 24 घंटे न होकर बहुत कम समय रह गया है, क्योंकि दिन में ज्यादातर लोग अपना अधिकतर समय इंटरनेट पर बिताते हैं। इसके विपरीत पहले लोग दिनभर काम करते थे, जिससे शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ रहते थे एक अनुमान के अनुसार अनुमानतः 75.1 करोड़ लोग इंटरनेट पर लगभग 6 घंटे से ज्यादा समय व्यतीत करते हैं जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं

इस प्रकार प्रौद्योगिकी के उचित उपयोग से ही समाज कल्याण संभव है तथा यह जीवन प्रत्याशा के लिए ध्यान रखने योग्य बिंदु है।

सरकार के कदमः– सरकार ने AI के विकास के साथ–साथ इसे पैदा होने वाली चुनौतियों से निपटने हेतु विभिन्न प्रयास किए हैं तथा निरंतर कर रही है यथा–

(क)विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम

(ख)लोगों को उपयोग की जानकारी देना

(ग)अपराधिक गतिविधियों के त्वरित निपटारे हेतु विभिन्न अत्याधुनिक पुलिस स्टेशनों का गठन

(घ) AI का सीमित उपयोग आदि।

इस प्रकार सरकार भी AI के उचित उपयोग को प्रेरित कर रही है, जिससे समाज को लाभ पहुंचाया जा सके।

सारांशः– आधुनिकता अथवा इसे "विकास का युग" कहा जाए तो गलत नहीं होगा इसमें AI जैसी महत्वपूर्ण खोज का साकार होना एक चमत्कार से कम नहीं है। प्रत्येक युग में नवाचार होते रहे हैं, जैसे–किसी युग में रेलगाड़ी का अविष्कार तो किसी युग में संगणक (कंप्यूटर) का अविष्कार, हवाई जहाज आदि का अविष्कार,तो अविष्कार जब भी किया जाता है तो प्रारंभ में इसमें कुछ खामियां आती ही है जो की कोई आश्चर्य की बात नहीं है।

इसी प्रकार AI आज के सामाजिक परिवेश में एक नई खोज के रूप में उभरा है। अगर इसके नकारात्मक पहलुओं की तरफ गौर करें तो वह बहुत कम है तथा समाज के विकास हेतु AI जैसी महत्वपूर्ण खोज की आवश्यकता को भी नकारा नहीं जा सकता है किंतु किसी भी खोज का दोहन किसी समाज के लिए खतरा पैदा कर सकता है। अतः हमें इसके सीमित उपयोग पर भी ध्यान देना चाहिए। इसके साथ–साथ

International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
Multidisciplinary, Multilingual, Indexed, Double-Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal, Impact factor (SJIF) = 8.152

इसके उपयोग करने की क्रियाविधि तथा सावधानियां भी ज्ञात होनी चाहिए, जिससे संपत्ति तथा मानवीय मूल्यों का हनन न हो सके। इससे बेरोजगारी की समस्या भी बढ़ रही है क्योंकि AI से कई व्यक्तियों का कार्य एक साथ तथा अधिक दक्षता के साथ किया जा सकता है। सरकार इस समस्या को भी ध्यान में रखते हुए AI पर पूर्णतः निर्भरता से परहेज कर रही है तथा आवश्यकता के स्थान पर ही उचित उपयोग को प्राथमिकता दे रही है। इसके साथ–साथ विभिन्न अपराधों की रोकथाम हेतु विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम तथा कठोर नियम सुनिश्चित कर रही है जिससे अपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाया जा सके। अतः समाज के सर्वांगीण विकास हेतु AI के सीमित उपयोग की आवश्यकता है जो पूर्णतः है सावधानी से किया जाए।

संदर्भ–

1. https://economictimes.indiatimes.com/industry/services/property-/-cstruction/a-new-era-of-luxury-living-the-worlds-first-taj-branded-residences-in-chennai/articleshow/118575461.cms
2. https://www.statista.com/statistics/1415071/india-time-spent-on-online-media-by-children/
3. https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2098447
4. https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2035045
5. https://www.livehindustan.com/bihar/bagaha/story-50-5000-shiksha-ke-bina-manushy-ka-jeevan-adhoora-vidhaan-paarshad-life-without-human-life-without-education-legislative-councilor-1783561.html
6. https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2086605
7. https://pib.gov.in/PressReleseDetail.aspx?PRID=2087506&reg=3&lang=1